

2.300

स्वस्तिः सपनाया पलायित्येः भाकाः ॥ शा. यव
वप्रहः सपनादेष्टा निसपना सुभ सुभ फल जाहेन्दुव
षीदिनमादन्दुहोसाहः सपनादेष्टा ग्राहमेनामाह
नेलोप्रहर ग्राहमेनामाह ग्राहमेनामाह
तिनमेनाभिन्नमाहः
कोहेष्टाभिन्नमाहः

सुः सुः चिह्निया सपनादेष्टा पलायित्येः सपनाया प
वर्कलहः सपनामासेतो कुरादेष्टा कोवहियाहः कप
सपरातिहादेष्टा कोहादिहः सपनामासेतो कुरादेष्टा कोवहियाहः
कोभयेहः केलेवतुं देष्टा कोनिकोहेन
पहेलोवः सपनामासेतो कुरादेष्टा कोवहियाहः
कोहेष्टा कोवहियाहः सपनामासेतो कुरादेष्टा कोनिकोहेन

उष्णसेतुद्वरगतबंधनरक्तदेष्पाकोनिकोहः कांठाभया
कोहरियोत्तपदेष्पाकोनिकोहैतः अतथोक्तहरियोदेष्पा
कोबढियाहः कालेकुरोसप नामदेष्पाकोनिकोहैतः का
लोहातिकालोसपः कालोदेष्पाकोबढिया
छोडाबढ्याकोगोबढ्याको. हातिबढ्याको अतर्गोपधा
लमाबढ्याकोसिंधयाबढ्याको नर्कलाग्पाको. रगत

पियाको. देष्पाधनधाऽयैतत्ताभहवसः नावमा
बढ्याकोविनियालियाको. मापनासरिमासात्र अत्रलेखी
बोदलाग्पाकोऽजाकोः किराणमाकोः व्येथाताग्पा
ः रोयाकोः देष्पासाहेधनप्राप्तिहोलाः अट्टिमाः नर्क
माप्रवेसगताको. देष्पः समुद्रको जलसंबंधियाको देष्पा

धनहिराज्ये लभ होलाः राजा हाति चोडाः ब्रह्म नः गोर
गाई देव्या पुत्र मित्र धन प्राप्ति हव सः दिव्योः फलः
कुलः कन्याः देव धजा रथः देव्या सर्व सिद्धि होलाः
भरिगात्रोः व्रमन हो सः पात देव्याः सुभ होलाः वे
स्या श्रीनि सित गमा देव धनि वटि धात्री पडि होलाः

हरि दुदः धि उ मा हः ले
सुभ विद्या प्राप्ति होलाः फल
राजु त भया कि क न्या मंगल गाई दिः देव्या सु पथ
न प्राप्ति होलाः प्रवाल मा वसि केहि पायो कोः मानि स
को मा सुः प्राप्ता को देव्याः वटि या कुल भया पति सु

३१
 चोमेरेसतुरमो...
 वाचाहनुमानविरेउदर...
 फलुकिदेमिलुकिजये...
 ३१ कदातरसाहा...

2300

ॐ कालिचन्दनचोटिचोटिसिंहबहा...
 धिनागिनिउमकेनागिनिदेविनाग...
 देविशानिउमकेरानिदेविशानिउमके...
 देवि...लागमेरेराज...
 केकाजिकरनामोहे...

जिन्ना सबलो क मो है: इत्त
मे नत्र ईत्त किवा वा: २। =

गर्वा ता किवा वा: पु

ॐ ये त किला उरि ठे कल जाई: प्र मूरित पानि सिचन जा
इति मूर उ हा किला उरि जागा हंड ना भू मूर कि वि
द्वी त जा गी हण ॐ वि म फ ये त: ३। = = = =

ॐ फुल फुलंति मालाति: प्राल देषि जटा चर ति: ॥ फ
ला ना का हा मु को देषि: ^{तप मूर} सब को देषि पि दू: इत्त कि
वा वा जो राधा वर्ता कि वा ना: कूर्म न्र ईत्त कि वा
वा वा ना ध्या सि व ह त्या: ^{तप मूर} ह त्या जो ह त्या
ला मु र कि ल की मे रि २। = = = =

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ताकि तं वाग्विः उ त्वारियां तं दे उ कि वा वा फु य
त्र ई त्वार कि वा वाः ५ हिं

ॐ सिर लाई उवा जठो कि हा तलि भुं प्र ला पा ला वा व
ॐ हि नि म न

राषो कति पा ला दा हि नै रा नर सिंघ द
यो म्मा उ तं वां कति येरे स ल मे रे जां म्मा पा ति
राम ल मे न न व जे ह हं को र हा उ ना ह न म्मा ना वि
उ प्रि स हि र पै फो रे के उ त्वार कि वा वा श्री गो
र प ना पा ति वा ना ॐ फ र ख ह ह

